Ground Report 14

आपदाओं में गूँज: आखिरी व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास

भारत के कई राज्यों में विशेष रूप से असम और बिहार में, लोग महामारी के खिलाफ लड़ाई के बीच बाढ़ के विनाशकारी प्रभावों से जूझ रहे हैं। कई लोगों के लिए भय अब एक सामान्य भावना है। बाढ़ से घिरे घर, भोजन की कमी और पानी में डूबे हैंड पंप के साथ वे अपना दिन एक सूखे स्थान की तलाश में... वह भी सड़कों पर, बिताने के लिए मजबूर हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश के कई हिस्सों में बाढ की बारंबारता और इसके दुष्प्रभाव व्यापक हो गए हैं। बिहार, असम और भारत के अन्य भागों में बाढ़ - जो की एक वार्षिक घटना बन गई है - हमारे जल प्रबंधन प्रणालियों और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का मुकाबला करने में हमारे दृष्टिकोण को नया रूप देने की आवश्यकता पर काम करने की बार बार चेतावनी देती है। संकट के इस दौर में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए हमारी टीम 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों कार्यरत है और देश भर में 2,00,000 से अधिक परिवारों तक पहुंच चुकी हैं।

केरल में गूँज : सीखने और भुलाने की प्रक्रिया के दो वर्ष

मिथकों को तोड़ वास्तविकता को जाना

2018 मे बाढ़ के दौरान, गूँज के संस्थापक अंशु गुप्ता के नेतृत्व में टीम केरल पहुंची। ईश्वर की अपनी भूमि पर बचाव व राहत का कार्य की एक अद्‌वितीय यात्रा के लिए। इस यात्रा ने केरल के लोगों, आपदाओं, और पूर्व उपयोग की गई सामाग्री की स्वीकार्यता (विशेषकर विकास संसाधन के रूप में) के बारे में अनेक मिथक तोड़ दिए।

हम अब बड़े पैमाने पर चल रहे पुनर्वास कार्य के दो साल पूर्ण करते हुए, जिसमें से कई भगवान की इस भूमि पर ही पहली बार शुरू किए गए, यहां कुछ विशेष बिंदु साझा कर रहे हैं!

बाढ़ प्रभावितों द्‌वारा इस्तेमाल किए गए समान को सम्मान के साथ स्वीकारना

आम धारणा के विपरीत की केरल के लोगों को ना तो जरूरत है और ना ही वो इस्तेमाल किए हुए कपड़े और अन्य सामग्री स्वीकार करेंगे, जब गूँज की टीम ने 'कार्य के लिए कपड़ा' (Cloth for Work जिसे अब Dignity For Work कहा जाता है) ने समुदायों को अपने मुद्दों की पहचान करने और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। हमने लोगों को उनकी नहरें, तालाबों, जल निकासी चैनलों, बांधों, जल संचयन, गड्ढे बनाने, सड़क निर्माण और कई अन्य परियोजनाओं के लिए प्रेरित किया। उनके प्रयासों के पुरस्कार के रूप में उन्हें पूरे परिवार की

जरूरतों के लिए व्यापक सामग्री किट प्राप्त हुई, जिससे उन्हें अपनी सामूहिक शक्ति का एहसास हुआ और अपने दैनिक मुद्दों को सुलझाने की उनकी क्षमता का अहसास हुआ।

घावों को भरने और आधारभूत संरचना के पुनर्निर्माण के लिए स्कूलों के साथ काम

हमारी टीम ने कई बाढ़ प्रभावित स्कूलों की सहायता करने व मुलभुत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उनके साथ काम किया, जिसमें छत बनाना, दीवारों पर रंग करवाना, फर्श ठीक करवाने के साथ प्रयोगशाला उपकरण, सामग्री आदि शामिल हैं. हमारे दल ने बच्चो को प्रोत्साहित कर उनका ध्यान वृक्षारोपण, वनस्पति उद्यान बनाने, तितली उद्यान, पुस्तक बाध्यकारी, चित्रकला आदि की तरफ़ भी केंद्रित किया। और इन कार्यो को करने के पश्चात् विद्यार्थियों को प्रोत्साहन हेतु स्कूल सामाग्री किट दी गयी जो कि हमारे स्कूल से स्कूल (School to school) पहल के अंतर्गत आती हैं।

<u>राहत केरल बाढ़: दो साल की झलक</u>

- 1,20,000+ परिवारो तक पहुंच
- 215 स्कूलों में 30,377 स्कूल किट पहुंचाए गए
- आजीविका की 90+ इकाइयों के माध्यम से 8800 + परिवारों को सहायता दी गई
- 1,500+ बड़ी परियोजनाओं को 2,00,000 लोगों की स्वैच्छिक भागीदारी से लागू किया गया
- 21,370 मीटर बैकवाटर को साफ़ किया गया

निरंतर आजीविका के साथ स्थिर जीवन

बाढ़ के पानी ने कई लोगों की आजीविका को भी बहा दिया। गूँज ने व्यवसायों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया; महिलाओं की सिलाई इकाइयों, स्नैक्स इकाइयों, खानपान इकाइयों और सड़क किनारे वाली भोजन इकाइयों की स्थापना में मदद की। 'बदलाव से पहले सुधार ' के मूल सिद्धांत के साथ गूँज ने अपना ध्यान पारंपरिक व्यवसाय के सुधार पर ध्यान केंद्रित किया, जैसे रस्सी बनाना, लोक कला समूहों का समर्थन - बाढ़ के प्रकोप के बाद उनकी वित्तीय निर्भरता सुनिश्चित करने के लिए।

उपेक्षित समुदाय को उनकी गरिमा का एहसास दिलाना

बाढ़ प्रभावित समुदायों के जीवन को पुनर्जीवित करने के लिए गूँज द्वारा अधिकतम प्रयास किए गए। खासकर सबसे उपेक्षित अधिकांश दूरदराज के क्षेत्रों में, कारीगर, विशेष काबिलियत के लोग, लोक कला समूह, मिटटी के बर्तन और रस्सी बनाने जैसे पारंपरिक व्यवसायों में लगे हुए लोगों के लिए एवं इसी प्रकार के अन्य समूहों के लिए।

गरिमामय योगदान में शहर के लोगो को शामिल करना

गूँज केरल टीम और उत्साही स्थानीय स्वयंसेवकों ने हमारी पहले से चल रही ग्रामीण परियोजनाओं हेतु सामग्री एकत्रित करने के लिए केरल के विभिन्न हिस्सों में संग्रह शिविर और पुस्तक प्रदर्शनियों की मेजबानी की, ताकि सम्पूर्ण गतिविधि को और अधिक आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

कोविद के दौरान केरल में कार्य

गूँज ने एर्नाकुलम जिले के कुंजीथाइ और पनायकुलम क्षेत्र में पूर्व प्रयोग किए गए कपड़े से मास्क बनाने के लिए (सभी सुरक्षा मानकों के साथ)अपनी आजीविका इकाइयों की 20 महिलाओं को प्रेरित किया।

इससे पहले की बरसात हो... महामारी के बीच बाढ़ से बचाव के तैयारी

इस वर्ष की मानसून बाढ़ के तीन महीने पहले से ही गूँज की केरल टीम ने समुदायों को बेहतर जल प्रबंधन प्रणाली हेतु सामूहिक कार्रवाई के लिए प्रेरित करना शुरू कर दिया। मानसून के साथ लोगों ने अपने आस-पास उपस्थित पानी के सभी नालों, नहरों, कुओं, तालाबों को साफ़ करना शुरू कर दिया। केरल और भारत के अन्य भागों में हमारा विशेष ध्यान मानसून के दौरान पारंपरिक जल निकायों में वर्षा जल के मुक्त प्रवाह और संग्रह को सुनिश्चित करने वाले समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने पर रहा है।

<u>कार्य क्षेत्र से जानकारी:</u>

राहत कोविद, चक्रवात अम्फान और निसर्गा, असम और बिहार बाढ़

कोविद के दौरान, गूंज ने अपने बहु - हितधारक नेटवर्क को बढ़ाया जिससे कि 25 राज्यों में सबसे अधिक उपेक्षित समुदाय एवं परिवारों तक 3.1 मिलियन किलो राशन और राहत किट को स्थानीय एवं अनुकूलित सहायता के साथ पहुँचा सके।

हमारी स्थानीय टीम भी तत्काल राहत प्रदान करने के लिए चक्रवात अम्फ़ान प्रभावित वेस्ट बंगाल और ओडिशा, चक्रवात निसर्गा प्रभावित महाराष्ट्र और असम में दीर्घकालीन पुनर्वास प्रदान करने के लिए काम कर रही है।

लाखो लोगों की जिंदगी इनसे प्रभावित हुई है और महामारी की तेजी से बदलती प्रकृति और बारहमासी प्राकृतिक आपदाओं के हमले को देखते हुए हम लगातार अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव व नवीनीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं।

तत्काल राहत सहायता

- 3,175000 + किलोग्राम राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गयी
- 2,10,000+ परिवारों तक पहुंचाई गयी
- 1,58,000+ तैयार भोजन चैनलाइज़ किया गया

साझेदारी

- 25 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो में 400 से अधिक सहभागी संस्थाओ के साथ काम।
- उद्योग जगत, संगठनों, तथा व्यक्तियों के साथ व्यापक स्तर पर काम।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

- 4,73,000+ फेस मास्क
- 2,50,000+ क्लॉथ सैनिटरी पैड
- 25,000+ अंडरगारमेंट्स
- 7,80,000+ अन्य आवश्यक वस्तुएं

कुल डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) परियोजनाएं 1,800+

- 850+ सब्जी बागान लगाए गए
- जल संसाधन का कुल क्षेत्र जिसे साफ/मरम्मत/बनाया गया

तालाब क्षेत्र 1,38,000+ वर्ग मी
बैक वाटर 32,500+ वर्ग मी
नहर 63,000+ वर्ग मी

- **अब तक समर्थित 26 सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से 1,93,000+ भोजन**

- **किसानो से सीधे तौर पर 1,65,000 किलो से अधिक फल और सब्जिया खरीदी गयी।**

हमारा साथ दें:

- सामग्री सहयोग के रूप में - https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग के लिये- goonj.org/donate
- गूँज के लिए फण्ड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।

पिछली डिग्निटी डायरी:

- 16 July:- माहवारी - कोविद के दौरान एक उपेक्षित विषय
- 1 Aug:- बेहतर आपदा प्रतिक्रिया के लिए एक तत्काल आवश्यकता

इन रिपोर्ट्स को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

वेबिनार और परिचर्चा

- आसाम में बाढ़ और भूस्खलन- फै डिसूज़ा के साथ चर्चा। -HTTP:/bitly/31c8w51
- सामूहिक सूझबूझ : ऊपर से नीचे तथा नीचे से ऊपर https://bit.ly/32xpifg
- अपना वादा जीते हुए (मीनाक्षी और अंशु गुप्ता के साथ) https://rb.gy/fjwjyq

<u>संपर्क करे :</u>

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली – 76

011-26972351/41401216